

कलेंडर पुं. (अं.) एक या अधिक वर्षों के दिनांक वार आदि बताने वाला पत्र, तिथि-पत्रक, दिनांक-पत्रक।

कलेंडर मास पुं. (अं+तत्.) माह के दिनांक एक से अंतिम दिनांक तक की अवधि को कलेंडर मास कहा जाता है।

कलेंडर वर्ष पुं. (अं.+तत्.) वर्ष के प्रथम मास की दिनांक एक से अंतिम मास की अंतिम दिनांक तक सामान्यतः 365 दिनों की अवधि को कलेंडर वर्ष कहा जाता है।

कलेउ/कलेऊ पुं. (देश.) 1. प्रातःकाल का जलपान, नाश्ता 2. कलेवा।

कलेजई पुं. (देश.) कसीस, मजीठ आदि को मिलाकर बनाया जाने वाला पदार्थ, काला मिला लाल रंग **वि.** (देश.) काले लाल मिश्रित रंग का।

कलेजा पुं. (देश.) 1. हृदय, दिल 2. जिगर 3. लाक्ष. साहस, हिम्मत मुहा. कलेजा उछलना- प्रसन्न होना, मुग्ध होना; कलेजा काँपना- डर लगना; कलेजा कड़ा करना- हिम्मत या साहस करना (कर लेना); कलेजा निकाल कर रख देना (किसी के आगे)- दिल की बात कहना, कुछ न छिपाना, स्वयं किसी पर न्योछावर हो जाना, सारी शक्ति लगा देना, अपनी प्यारी से प्यारी वस्तु दे देना; कलेजा रखना- किसी वस्तु या काम को बारंबार देने या करने की हठ करना, तंग या परेशान करना; कलेजा खोलकर रख देना- मन की बात बता देना, कुछ न छिपाना; कलेजा चीर कर रख देना/दिखाना- पूरा विश्वास कराने का प्रयास करना, कोई कपट न रखना; कलेजा छलनी होना- मानसिक कष्ट पहुँचना, कष्ट पाते-पाते अति दुखी होना; कलेजा छलनी करना- मर्मभेदी बातों से मन को कष्ट पहुँचाना; कलेजा छिदना/छिलना- कष्टप्रद बातों से मन दुखी होना; कलेजा छेदना- कड़वी या बहुत अप्रिय बात कहकर किसी का जी दुखाना; कलेजा-जलना- अत्यंत क्रुद्ध होना, मन को बहुत क्लेश/पहुँचना; कलेजा टुकड़े-टुकड़े होना- मन को

बहुत कष्ट पहुँचना (शोक के कारण); कलेजा ठंडा होना/करना- संतोष होना या करना; कलेजा थाम कर बैठना/कलेजा थामना/पकड़ लेना- मन मसोस कर रह जाना, विपत्ति आने पर हृदय कठोर कर लेना, धीरज धारण करके रहना, विपत्ति सह लेना; कलेजा दूना होना- और अधिक उत्साहित होना; कलेजे का धकधक करना- (किसी आंशका से) भयभीत होना, मन में व्याकुल हो जाना, घबरा जाना; कलेजा धड़कना/धड़काना- भय या रोग आदि के कारण आशंकित हो जाना/डरा देना; कलेजा निकाल लेना- अति प्यारी वस्तु छीन लेना, सर्वस्व ले लेना, बहुत कष्ट पहुँचाना, अत्यंत दुख देना; कलेजा पक जाना- दुख सहते-सहते तंग आ जाना; कलेजा फटना- मन में अत्यंत कष्ट होना; कलेजा मुँह को आना- बहुत घबराना या विकल होना; कलेजे पर साँप लोटना- किसी बात को याद करके अचानक शोकाकुल होना, अचानक दुःख का अनुभव करना, ईर्ष्या से संतप्त होना, बहुत बेचैन होना; कलेजा ठंडा होना- मन को शांति पहुँचना, कलेजा तर होना; बड़ा कलेजा होना- उदार हृदय होना; पत्थर का कलेजा होना- करुणा, प्रेम तथा सहानुभूति आदि से रहित होकर निष्ठुर व्यक्ति होना, भारी कष्ट और दुख सहने वाला व्यक्ति होना; कलेजे में बिठाना- बहुत प्रेम करना, हर क्षण ध्यान में रखना; बड़े कलेजे वाला- साहसी मनुष्य; कलेजे में गाँठ पड़ना- मनमुटाव होना, किसी कारणवश मनोमालिन्य होना।

कलेजी स्त्री. (देश.) (पशु-पक्षियों के) कलेजे का मांस।

कलेवर पुं. (तत्.) 1. शरीर 2. ऊपरी ढाँचा 3. डील डौल-आकार 4. देवता की मूर्ति पर चढ़ाने वाला घी मिश्रित सिंदूर, जो प्रायः हनुमान की मूर्ति पर चढ़ाया जाता है जैसे- हनुमान की मूर्ति पर कलेवर चढ़ाने से मनोकामना की पूर्ति होती है। मुहा. कलेवर बदलना- स्वर्गवास होना, नया रूप धारण करना, चिकित्सा के बाद रोगी का शरीर से पूर्ण नीरोग होना।